शुक्रवार
24 मई 2024

पृष्ठ 4
गर्मियों के दौरान डाइट में जरूर शामिल...

पृष्ठ 5
बॉर्डर 2 बनेगी भारतीय सिनेमा की सबसे...

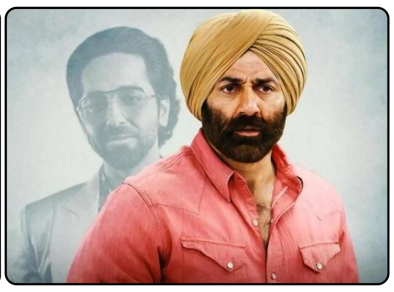

- देहरादून
- वर्ष 32
- अंक 114
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

बिना ग्रंथ के ईश्वर मौन है, न्याय निद्रित है, विज्ञान स्तब्ध है और सभी वस्तुएँ पूर्ण अंधकार में हैं।

— अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

प्रदेश के सबसे बड़े बिल्डर ने की आत्महत्या

❑प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम लिखा सुसाइड नोट

●शहर के कई बिल्डरों व सहारनपुर के कुछ लोगों को किया नामित
●प्रदेश के बहुत बड़े कालेज के मालिक व भाजपा नेता का नाम भी चर्चाओं में

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजपुर थाना क्षेत्रांर्तगत एक निर्माणाधीन इमारत से प्रदेश के सबसे बड़े बिल्डर द्वारा छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली गयी है। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि मृतक बिल्डर द्वारा आत्महत्या से पूर्व प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम अपना सुसाइड नोट लिखा गया है। जिसमें शहर के कई बिल्डरों व सहारनपुर के कुछ लोगों को नामित किया गया है।

जानकारी के अनुसार प्रदेश के सबसे बड़े बिल्डर सतेन्द्र सिंह साहनी (बाबा साहनी) ने एक निर्माणाधीन इमारत से कूद कर आत्महत्या कर ली गयी है। उन्होने पैसेफिक हिल्स के नजदीक एक निर्माणाधीन इमारत की आठंवी मजिल से छंलाग लगाकर अपनी जान दे दी है। सूंत्रो से मिली जानकारी के अनुसार मृतक बिल्डर सतेन्द्र सिंह साहनी के पास एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। जिसमें उन्होने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम यह सुसाइड नोट लिखा है। सुसाइड नोट में उन्होने अपनी आत्महत्या के कारणों का जिक्र करते हुए शहर के कई बिल्डर व सहारनपुर के कुछ लोगों को नामित किया गया है। वहीं उनकी आत्महत्या किये जाने के पीछे प्रदेश के एक बड़े कालेज के मालिक सहित एक भाजपा नेता का नाम भी चर्चाओं के केन्द्र में है।

बताया जा रहा है कि बिल्डर बाबा साहनी कई दिनों से अपने काम को लेकर डिप्रेशन में थे। राजधानी दून में एक बड़ा प्रोजेक्ट बंद हो जाने व पार्टनर तथा प्रशासनिक दबाव के कारण उनके द्वारा यह कदम उठाया गया है। बहरहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

यात्रियों की संख्या पर नियंत्रण के बिना नहीं सुधरेगी व्यवस्थाएं

❑अभी भी धामों में है यात्रियों का भारी हुजूम, केंद्रीय गृह मंत्रालय का दखल, सरकार की विफलता

विशेष संवाददाता

देहरादून। तमाम कोशिशों के बावजूद भी चारों धामों में श्रद्धालुओं का उमड़ता सैलाब कंट्रोल नहीं हो पा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने अधिकारियों की पूरी फौज को यात्रा प्रबंधन के लिए फील्ड में उतार दिया है। धामों की क्षमता से अधिक यात्रियों के पहुंचने से हालात पर नियंत्रण मुश्किल हो रहा है।

बीते तीन दिनों में अगर केदार धाम जाने वाले यात्रियों की संख्या पर गौर करें तो वह 39-35 व 32 हजार के आसपास रही है जो अभी भी धाम की क्षमता से दोगुना से भी ज्यादा है। बद्रीनाथ धाम के कपाट 12 मई को खुले थे लेकिन अब तक बीते 10-11 दिनों में अगर 2 लाख से अधिक यात्री पहुंचे हैं तो यह औसतन 20 हजार प्रतिदिन होता है। जबकि क्षमता 10-12 हजार से भी कम है। अभी रुद्रप्रयाग से यात्रियों की भीड़ की जो तस्वीर सामने आई थी वह डराने वाली थी। धामों में दर्शनों के लिए जिस तरह मारामारी हो रही है और लोगों की भारी भीड़ देखी जा रही है ऐसे में किसी भी छोटी सी लापरवाही या दुर्घटना के गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं।

राज्य के अधिकारी और सत्ता में बैठे लोग भले ही यात्रा के सुचारू संचालन की बात कह रहे हो और इस भारी भीड़ के बीच भी यात्रा यथावत चल रही हो लेकिन अगर सब कुछ सामान्य होता तो शायद केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला को न यात्रा की मॉनिटरिंग करने की जरूरत पड़ती और न राज्य के अधिकारियों को यह दिशा निर्देश देने पड़ते कि वह यात्रा पड़ावों पर यात्रियों की संख्या तथा धामों में पहुंचने वाले यात्रियों की जानकारी हर रोज केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजें। यह अलग बात है कि केंद्र सरकार द्वारा यात्रा को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए हर संभव सहायता करने का भरोसा दिलाया गया है। ऐसा नहीं कहा जा सकता कि सरकार को इस ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

मैक्सिको में एक चुनावी कार्यक्रम के दौरान मंच गिरने से एक बच्चे सहित 9 लोगों की मौत

नई दिल्ली। मैक्सिको के नुएवो लियोन के सैन पेड्रो गार्जा गार्सिया में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जॉर्ज अल्वारेज मेनेज के लिए हो रहे एक चुनावी कार्यक्रम के दौरान बड़ा हादसा हो गया। चुनावी सभा के दौरान मंच गिरने से एक बच्चे सहित करीब 9 लोगों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल बताए जा रहे हैं। सिटीजन्स मूवमेंट पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जॉर्ज अल्वारेज मेनेज सुरक्षित भागने में सफल रहे। रिपोर्ट के मुताबिक यह हादसा तब हुआ जब जॉर्ज अल्वारेज मॉन्टेरी के पास सैन पेड्रो गार्जा गार्सिया शहर में स्पीच दे रहे थे।मेनेज को इस दुर्घटना में कोई चोट नहीं आई और घटना के बाद उन्हें समर्थकों से बात करते देखा गया। उन्होंने कहा कि उनकी टीम के कई सदस्यों को चोट लगी है। मेनेज ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि मंच ढहने का कारण अचानक आई हवा का झोंका था। फुटेज में साफ तौर पर वह लम्हा दिखाई दे रहा है, जब मंच पर कई लोग मौजूद थे और पीछे लगी एलईडी स्क्रीन ढह गई। मैं ठीक हूं और यह देखने के लिए राज्य के अधिकारियों के संपर्क में हूं कि क्या हुआ। फिलहाल, सबसे अहम बात दुर्घटना पीड़ितों की देखभाल करना है।

'अगर मुझे किसी को खुश करना है, तो मैं 140 करोड़ देशवासी को खुश करूंगा, अमेरिका को नहीं'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया है, कि कैसे उन्होंने 2014 में पहली बार कुर्सी संभालने के बाद देश की एक दशक पुरानी विदेश नीतियों को एक मजबूत नीति में बदल दिया। नई दिल्ली में भारत मंडपम में एक टीवी चौनल को दिए इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया है, कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन के खिलाफ पूर्ण पैमाने पर युद्ध की घोषणा के बाद, रूस से कच्चा तेल खरीदने के भारत के विकल्प के बारे में उन्हें अक्सर सवालों का सामना करना पड़ा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कि मुझसे अकसर सवाल पूछा जाता है, कि भारत,

नई दिल्ली के संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ संबंधों को जोखिम में डालकर रूस से कच्चा तेल कैसे खरीद रहा है। मैंने उनसे कहा, मैं अपने 140 करोड़ भारतीयों के प्रति जवाबदेह हूं। अगर मुझे किसी को खुश करना है, तो मैं 140 करोड़ देशवासी को खुश करूंगा, अमेरिका को नहीं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, कि भारत वहां से तेल खरीदेगा, जहां से यह भारत के हितों के अनुकूल होगा। उन्होंने कहा, कि मैंने इस विदेश नीति को बनाए रखा और इसलिए अपने देश को (बढ़ती कीमतों और मुद्रास्फीति से) बचाया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने रेखांकित किया, कि कैसे उन्होंने उज्बेकिस्तान के समरकंद में साल 2022 में शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के दौरान एक बैठक में राष्ट्रपति पुतिन से कहा, कि यह युद्ध का युग नहीं है। पीएम मोदी ने उज्बेकिस्तान के समरकंद में एक कार्यक्रम के दौरान बार-बार इस बात पर जोर दिया, कि एक विभाजित दुनिया के लिए आम चुनौतियों से लड़ना मुश्किल हो जाएगा।

दून वैली मेल

संपादकीय

व्यवस्थाओं में बड़े बदलाव की जरूरत

चारधाम यात्रा उत्तराखंड राज्य की अगर लाइफ लाइन बन चुकी है तो इस लाइफ लाइन को सुरक्षित और मजबूत बनाए जाने के प्रयास भी सरकारी स्तर पर किया जाना जरूरी है लेकिन यह विडम्बना ही है कि अब तक इस दिशा में किसी भी सरकार द्वारा सही समय पर कोई ठोस और प्रभावशाली प्रयास नहीं किए गए हैं। केंद्र सरकार द्वारा चार धाम ऑल वेदर रोड निर्माण से लेकर धामों के पुनर्निर्माण तक जितने भी काम किए गए हैं तथा राज्य में कनेक्टिविटी बढ़ाने के प्रयास किए गए हैं अगर उसका दसवां हिस्सा भी राज्य सरकारों ने यात्रा के प्रबंधन तंत्र को विकसित करने पर ध्यान दिया गया होता तो आज ऐसे हालात पैदा नहीं होते कि भीड़ प्रबंधन के लिए भी केंद्र सरकार के सामने गिड़गिड़ाना पड़ता। राज्य की सरकारे चार धाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को अपनी बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रचारित करती रही हैं तथा स्थानीय लोगों व व्यवसायियों तथा उससे होने वाली कमाई को देखकर खुश होती रही है। हर साल चार धाम यात्रा की तैयारी के नाम पर की जाने वाली खानापूर्ति के बारे में हम सभी अच्छे से वाकिफ है। शासन प्रशासन में लोगों ने कभी इस बात पर गंभीरता से सोचने की जरूरत ही नहीं समझी कि यात्रा सुविधाओं को किस तरह अधिक से अधिक बेहतर बनाया जा सकता है। हर साल सुगम और सुरक्षित यात्रा का नारा देकर ही यह सोच लिया जाता है कि बस हो गया सब कुछ ठीक। अभी यात्रा शुरू होने के बाद भी यात्रा मार्गों पर मरम्मत और निर्माण कार्य जारी होने के कारण यात्रियों को 6-6 घंटे रोके जाने की खबर आई थी हरिद्वार में ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन सेंटर बदलने और फिर रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को पूरी तरह बंद किया जाना इस बात का प्रमाण है कि सरकार ने सुगम और सुरक्षित यात्रा की कितनी बेहतरीन तैयारी की है। त्रिवेंद्र सरकार के कार्यकाल में देवस्थानम बोर्ड के गठन का प्रस्ताव लाया गया तो तीर्थ पुरोहितों से लेकर चारों धामों के पंडा पुजारी विरोध में खड़े हो गए। उन्हें हमेशा ही इस बात का डर सताता रहता है कि कहीं उनकी कमाई का जरिया न छिन जाए? उन्हें पुरानी व्यवस्था में किसी भी तरह का रत्ती भर भी बदलाव गवारा नहीं है। अधिक से अधिक लोग हर रोज आए और उनकी कमाई दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ती रहे यात्रियों को जो भी दिक्कतें हो उन्हें उससे कोई सरोकार नहीं है और न ही इस बात से कुछ लेना-देना है कि चार धाम यात्रा के कुप्रबंधन के कारण राज्य की छवि कितनी धूमिल हो रही है। समय के साथ व्यवस्थाओं को बदला जाना जरूरी है। सरकार अब यात्रा प्रबंधन के लिए अलग से एक प्राधिकरण गठन पर भी मंथन कर रही है। निश्चित रूप से यह काम 10 साल पहले किए जाने की जरूरत थी। शासन-प्रशासन पर किसी बदलाव के खिलाफ दबाव बनाने वाले लोगों के साथ सख्ती से निपटने की जरूरत है। एनडीआरएफ और आईटीबीपी भीड़ नियंत्रण में क्या कुछ कर पायगी यह आने वाला समय ही बताएगा लेकिन इस समस्या से निजात पाना कोई आसान काम नहीं है। इसके लिए राज्य सरकार को वैष्णो देवी के श्राइन बोर्ड जैसे प्रबंधन तंत्रों की समीक्षा करने की जरूरत है देश में अनेक ऐसे तीर्थ और धाम है जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं लेकिन उन्हें इस तरह की अव्यवस्थाओं का सामना नहीं करना पड़ता है। उत्तराखंड राज्य जो अब धीरे-धीरे धार्मिक पर्यटन, योग तथा अध्यात्म की राजधानी बनता जा रहा है। इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए बड़े बदलाव करने और फैसले लेने की जरूरत है। अब वह समय बीत चुका है जब दाल-भात और चाय-पकौड़े पर राज्य का पर्यटन चलता था ढांचागत सुधारो के साथ व्यवस्थाओं में बड़े बदलाव करके ही चार धाम यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाया जा सकता है। सत्ता में बैठे लोगों को इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

रं-कम्युनिटि स्कूल के टॉपर्स हुए सम्मानित, टॉपर्स ने बताई अपनी सफलता की कहानी

संवाददाता

धारचूला। सामुदायिक पुस्तकालय द्वारा रं-कम्युनिटी स्कूल के अपनी कक्षा में टॉपर्स आये विद्यार्थियों को जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आज यहां सामुदायिक पुस्तकालय द्वारा रं-कम्युनिटी स्कूल के अपनी कक्षा में टॉपर्स आए विद्यार्थियों को जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार 2023 देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सामुदायिक पुस्तकालय तथा संडे क्लास के कॉन्सेप्ट पर जानकारी दी गई। रं-कम्युनिटी स्कूल में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में सामुदायिक पुस्तकालय तथा संडे क्लास के बारे में चर्चा की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य हरीश नाथ के द्वारा आयोजन के लिए उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया गया।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन से विद्यार्थियों के भीतर अपना लक्ष्य निर्धारित करना और अनुशासित होकर अपनी प्लानिंग बनाने के लिए बहुत कुछ सीखने को प्राप्त हो रहा है। स्कूल के कक्षा एक के टॉपर से शौर्य पोरी, कक्षा 2 के टॉपर से कियांस दानू,कक्षा 3 के टॉपर से ख्वाईश उपाध्याय, कक्षा 4 के टॉपर्स प्रियांशी दानू, कक्षा 5 के टॉपर से यूना खेर, कक्षा 6 के टॉपर्स आदेश सिंह धामी कक्षा 7 के टॉपर से पीयूष सिंह धामी, कक्षा 8 के टॉपर से आराध्या खेर, कक्षा 9 के टॉपर्स अभिमन्यु गर्ब्याल को जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार के रूप में डिक्शनरी तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि आज वह सामुदायिक पुस्तकालय तथा संडे क्लास के लिए विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को निमंत्रण देने के लिए आए है। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय नगर क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए एक विशेष केंद्र के रूप में सामने आएगा। इसके लिए सभी विद्यार्थियों को अपने विद्यालय में अपना पंजीकरण कर लेना है।

समान नागरिक संहिता के विरोध में उक्रांद का प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रांति दल के कार्यकर्ताओं ने समान नागरिक संहिता के विरोध में जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां उक्रांद कार्यकर्ता महानगर अध्यक्ष बिजेन्द्र सिंह रावत के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार देश में सर्वप्रथम समान नागरिक संहिता उत्तराखंड में लागू करने की वाहवाही लूट रही हैं, लेकिन संहिता में उल्लेख स्थायी निवासी को पात्रता हैं उससे राज्य के मूलनिवासी के अधिकारों के साथ खिलवाड़ किया हैं। ऐसा प्रतीत होता हैं कि सरकार राज्य के मूल निवासियों के अस्तित्व को समाप्त करना चाहते हैं। जिसका दल घोर विरोध करता हैं व मांग करता हैं कि समान नागरिक संहिता में उल्लेखित अधिसूचना की 3 के (ड) की तीन, चार व पाँच बिंदु जिसमें स्थायी निवासी की पात्रता को सरल कर उल्लेख

किया हैं कि जो व्यक्ति राज्य में कम से कम एक वर्ष से निवास कर रहा हैं या राज्य सरकार या केंद्र सरकार की ऐसी योजना का लाभार्थी हैं, जो राज्य में लागू हो या केंद्र सरकार या उसके किसी उपक्रम /संस्था का ऐसा स्थायी कर्मचारी हैं जो राज्य के क्षेत्र के भीतर कार्यरत हैं। उत्तराखंड क्रांति दल उल्लेखित अधिसूचना का घोर विरोध करता हैं तथा दल का स्पष्ट मानना हैं कि राज्य के मूलनिवासियों के अधिकारों व हक हकूकों के साथ समान नागरिक संहिता के द्वारा किये गये खिलवाड़ को बर्दाश्त नहीं करेगा। राज्य में मूलनिवासी सविंधान प्रदत सन 1950 राज्य में लागू हो की मांग करता हैं। ऐसी दशा न होने पर दल आर पार की लड़ाई के लिए जनता को लामबद्ध कर आंदोलन के लिए बाध्य होगा। ज्ञापन देने वालों में सुनील ध्यानी, जय प्रकाश उपाध्याय, प्रताप कुंवर, अतुल जैन, दीपक रावत, किरण रावत, अशोक नेगी, राम पाल, दीप चंद उत्तराखंडी, शकुंतला रावत, मधु सेमवाल, गुड्डी देवी प्याल, नरेश गोदियाल,आदि रहे।

नाबालिक के साथ दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 08 मई 24 को कोतवाली डोईवाला पर व्यक्ति के द्वारा प्रार्थना पत्र दिया कि प्रवीन उर्फ बेलपुरी पुत्र विन्देश्वर साहनी निवासी केशवपुरी बस्ती, थाना डोईवाला, देहरादून, द्वारा उनके घर मे घुसकर उनकी 17 वर्षीय पुत्री के साथ जबरन शारीरिक सम्बन्ध बनाये गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। घटना की संवेदनशीलता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए, जिस पर तत्काल थाना डोईवाला पर पुलिस टीम गठित की गई, गठित पुलिस टीम द्वारा स्थानीय सूचना तन्त्र को सक्रिय किया गया तथा आज मणिमाई मन्दिर के पास लच्छीवाला, डोईवाला से प्रवीन उर्फ बेलपुरी उपरोक्त को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

त्वमग्न ईळितो जातवेदोऽवाड्ढव्यानि सुरभीणि कृत्वी।
प्रादाः पितृभ्यः स्वधया ते अक्षन्नद्धि त्वं देव प्रयता हवींषि।।

(ऋग्वेद १०-१५-१२)

सभी उत्पन्न पदार्थों में अग्नि विद्यमान है। अग्नि यज्ञ में डाली हवि को देवों तक पहुंचाती है। उसे सूर्य किरणों तक पहुंचाती है और अग्नि स्वयं भी उसे ग्रहण करती है।

उत्तराखण्ड की स्नो गर्ल 25 मई को होगी सम्मानित

संवाददाता

धारचूला। उत्तराखण्ड की स्नो गर्ल तथा स्कीइंग माउंटेनियरिंग में नेशनल चैपियन मेनका गुंज्याल को 25 मई को सम्मानित किया जायेगा।

आज यहां सामुदायिक पुस्तकालय की स्थानीय इकाई द्वारा उत्तराखंड की स्नो गर्ल तथा स्कीइंग माउंटेनियरिंग में नेशनल चैंपियन मेनका गुंज्याल को सम्मानित किया जाएगा। मेनका गुंज्याल स्थानीय विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ कॅरियर गाइडेंस पर संवाद भी करेगी। सामुदायिक पुस्तकालय की स्थानीय कमेटी की सदस्य राजकीय महाविद्यालय बलुवाकोट की असिस्टेंट प्रोफेसर चंद्रा नबियाल ने बताया कि प्रात 10 बजे से विकासखंड के सभागार में नेशनल चैंपियन मेनका गुंज्याल का नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम रखा गया है। इस अवसर पर नेशनल चैंपियन स्थानीय विद्यार्थियों के साथ करियर गाइडेंस पर बातचीत भी करेगी। उन्होंने बताया कि सामुदायिक पुस्तकालय का यह करियर का पहला कार्यक्रम है। सामुदायिक पुस्तकालय द्वारा इस तरह के कार्यक्रम अनवरत जारी रहेंगे। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से इस कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

न्यायोचित न्याय की दिशा में प्रगतिशील कदम

ललित शर्मा

हाल ही में उत्तर प्रदेश के बरेली में एक ऐतिहासिक एवं प्रगतिशील फैसला सामने आया जो वास्तविक रूप में न्यायोचित न्याय की अवधारणा की परिपुष्टि करता है। यहां अपर सेशन जज ज्ञानेंद्र त्रिपाठी ने फैसला सुनाया जिसमें, केस करने वाली लड़की को दोषी मानते हुए अब उतने ही दिन जेल में रहने की सजा सुनाई है जितना वह व्यक्ति रहकर आया है और साथ में आर्थिक जुर्माना लगाया है। घटना इस प्रकार है एक महिला ने 2 सितम्बर 2018 को थाना बारादरी में व्यक्ति के खिलाफ अपनी बेटी भगा ले जाने और दुष्कर्म के आरोप में रिपोर्ट दर्ज करायी थी। इस घटना का महिला की बेटी ने समर्थन किया परन्तु, कोर्ट में वह मुकर गयी। इस पर स्पेशल कोर्ट में व्यक्ति बेगुनाह निकला तत्पश्चात लड़की के विरूद्ध झूठी गवाही देने का मुकदमा दर्ज कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया।

दुष्कर्म के झूठे आरोप में युवक 4 साल 6 महीने और 8 दिन यानी 1653 दिन जेल में बंद रहा साथ ही लड़की पर 5 लाख 88 हजार रूपये का जुर्माना लगाया है जो, पीड़ित व्यक्ति को दिया जायेगा। इस प्रकार की घटना सम्पूर्ण समाज के लिए अत्यंत गंभीर स्थिति पैदा करती हैं। कानून महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए थे किन्तु, दुर्भाग्य की बात है इन कानूनों का दुरूपयोग हो रहा है। इन कानूनों को बदला लेने के लिए हथियार बनाया जा रहा है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने साल 2021 में 46,127 रेप के मामलों की जांच की इसमें साल 2021 के 31,677 मामले बाकी पिछले सालों के लंबित और दोबारा खोले गये मामले भी शामिल हैं। पुलिस जांच के हिसाब से साल 2021 में 4009 मामले फर्जी पाए गए जो कुल जांचे गए मामलों के लगभग 8 प्रतिशत मामले फर्जी पाए गए। आंकड़ो का गहराई से मूल्यांकन करने पर ज्ञात होता है कि, फर्जी रेप के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। साल 2017 में कुल 46,984 रेप के मामलों की जांच में 2556 मामले फर्जी करार दिए गये थे। साल 2017 में फर्जी मामलों का लगभग 5 प्रतिशत था। पिछले पांच सालों में जहां रेप के मामलों में बढ़ोत्तरी नहीं हुयी है लेकिन झूठे पाए गए रेप के मामलों में लगभग 55 प्रतिशत इजाफा हुआ है। 2021 में कुल 5 लाख 29 हजार से ज्यादा मामलों की जांच हुयी जिसमें 30,929 केस झूठे पाए गए। पति और रिश्तेदारों के द्वारा हिंसा के 6938, महिला और जबरन कब्जे के 11680, स्त्री की लज्जा भंग करने के आशय से उस पर हमला आपराधिक बल का प्रयोग 6924 मामले फर्जी साबित हुये। हम ऐसा बिल्कुल भी नहीं कह सकते हैं कि महिला संरक्षण के लिए बनाये कानूनों को समाप्त कर दिया जाये क्योंकि फर्जी केसों की तुलना में वास्तविक केसों की मात्रा बहुत अधिक है। कानून में संशोधन की नितांत आवश्यकता है जो महिलाएं पुरूषों को फर्जी केसों में फंसाती है उन पर सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए।

अनुचित लाभ के लिए महिलाओं को पुरूषों के हितों पर कुठाराघात करने की छूट नहीं दी जा सकती है। झूठे केसों से वास्तव पीड़ित के प्रति भी समाज में नकारात्मक माहौल बनता है। बरेली केस में झूठी युवती को सजा मिल गयी साथ ही आर्थिक दण्ड भी दिया गया। व्यक्ति बेगुनाह भी साबित हो गया परन्तु, उस युवक ने अपने जीवन के 1653 सर्वश्रेष्ठ दिन जेल में गुजारे। उसका भुगतान बड़ी से बड़ी राशि से नहीं किया जा सकता साथ ही समाज में उसके और उसके परिवार की सामाजिक प्रतिष्ठा पर दाग उसे दुनिया की किसी चिकित्सा पद्धति से ठीक नहीं किया जा सकता है। 2021 में उत्तर प्रदेश के ललितपुर निवासी विष्णु तिवारी को हाईकोर्ट ने 20 साल बाद रेप और हरिजन एक्ट के मामले में निर्दोष साबित किया। बिश्णु तिवारी को 20 साल तक उस जुर्म की सजा मिली जो उसने किया नहीं। जब बिष्णु तिवारी जेल में सजा काट रहे थे परिवार में 4 मौतें हो गयी पहले उसके माता-पिता उसके पश्चात उसके दो भाइयों की मौत हो गयी लेकिन उसको किसी मौत में जाने नहीं दिया। जब बिष्णु तिवारी पर आरोप लगा वह 18 साल के थे और 38 साल की उम्र में जेल से रिहा हुये। बिष्णु तिवारी की पीड़ा अत्यंत असहनीय है उनके साथ जो हुआ उसकी भरपायी दुनिया की बड़ी से बड़ी खुशी द्वारा नहीं की जा सकती है। इस प्रकार की घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है जो हमारे सिस्टम पर प्रश्नचिन्ह लगाती हैं।

कानून के अनुसार सारे दोषी छूट जाये लेकिन एक निर्दोष को सजा नहीं मिलनी चाहिए क्योंकि जनता का कानून और व्यवस्था में आस्था है। अगर किसी निर्दोष को सजा होती तो कानून के प्रति आस्था और विश्वास की छवि धूमिल होती है और समाज का न्याय प्रणाली से विश्वास उठ जाता है। जूठे केस में फंसाने वालों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्यवाही होनी चाहिए। बरेली में अपर सेशन जज ज्ञानेंद्र त्रिपाठी द्वारा सुनाया गया ऐतिहासिक फैसला एक मील का पत्थर साबित होगा।

आशा करते हैं बरेली का फैसला उन महिलाओं के लिए नजीर बनेगा जो पुरूषों से वसूली के लिए झूठे केस करती है। इस ऐतिहासिक फैसले से जनता की कानून के प्रति आस्था और प्रगाढ़ होगी और जनता में माननीय न्यायपालिका के प्रति सम्मान बढ़ेगा।

त्वचा, बालों और आंखों के लिए काजू बहुत फायदेमंद

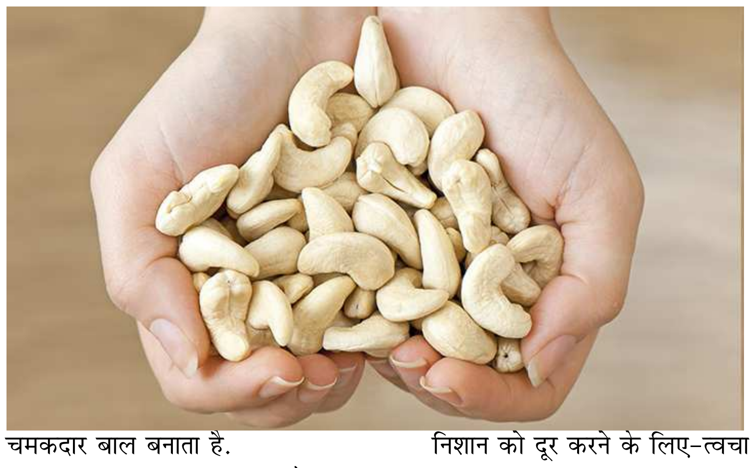

काजू आपकी त्वचा, बालों और शरीर के लिए बहुत फायदेमंद हैं. ये पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं. इनमें आयरन और जिंक भरपूर होता है. एनीमिया की समस्या से राहत पाने के लिए इसका सेवन अच्छा होता है. ये विटामिन सी, जिंक, मैग्नीशियम, सेलेनियम और आयरन से भरपूर होते हैं. ये त्वचा के निखार के लिए फायदेमंद हैं. इसमें कॉपर और फास्फोरस अधिक मात्रा में होता है. ये बालों के लिए भी फायदेमंद है. आइए जानें काजू के लाभ.

ग्लोइंग त्वचा के लिए-स्वस्थ त्वचा और झुर्रियों से मुक्त होना चाहते हैं तो काजू का सेवन कर सकते हैं. काजू में मैग्नीशियम, सेलेनियम, आयरन और फास्फोरस आदि होता है. ये नट्स प्रोटीन और विटामिन से भी भरपूर होते हैं जो त्वचा की रंगत में सुधार कर सकते हैं और झुर्रियों को रोक सकते हैं.

चमकदार बालों के लिए-लंबे और चमकदार बाल लगभग हर लड़की की चाहत होती है. ऐसे में काजू आपकी मदद कर सकता है. काजू में कॉपर होता है जो बालों के विकास को बढ़ावा देता है. ये आपके बालों को समय से पहले सफेद होने से रोकता है. काजू आपके बालों को चमकदार बाल बनाता है.

बालों के झड़ने को रोकता है-काजू पोटैशियम और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं. ये बालों को झड़ने से रोकते हैं और बालों के विकास को बढ़ावा देते हैं.

एंटी एजिंग में मदद करता है-काजू एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं जो आपकी त्वचा में नई कोशिकाओं के विकास को बढ़ावा देते हैं. ये आपकी त्वचा को तेजी से पुनर्जीवित करने में सक्षम बनाता है और लोच बनाए रखने में मदद करता है. रोजाना काजू खाने से भी आपके शरीर को फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद मिल सकती है.

निशान को दूर करने के लिए-त्वचा के दाग- धब्बों को दूर करने के लिए आप फैंसी प्रोडक्ट का इस्तेमाल नहीं करना चाहते तो काजू इस्तेमाल कर सकते हैं. इसमें विटामिन सी होता है ये दाग- धब्बों को दूर करने में मदद करता है.

स्ट्रेच मार्क्स से राहत पाने के लिए-गर्भावस्था के दौरान अधिकतर महिलाओं को स्ट्रेच मार्क्स आ जाते हैं. काजू में विटामिन सी होता है. ये इस समस्या को दूर करने में मदद करता है.

आंखों के लिए-काजू ज़ेक्सैथीन नामक एंटीऑक्सीडेंट होता है. ये हमारी आंखों को हानिकारक यूवी किरणों से बचाता है.

अर्ध धनुरासनः अभ्यास के दौरान जरूर बरतें ये सावधानियां

अर्ध धनुरासन एक ऐसा योगासन है जिसका अभ्यास करते समय आधा शरीर धनुष जैसा दिखता है और इसे शारीरिक के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहतर माना जाता है। अगर किसी की कोहनी, पीठ, पेट, घुटने, रीढ़ की हड्डी या फिर कंधे में चोट लगी है या शरीर के अन्य किसी अंग में दर्द की समस्या है तो वह इस योगसन का अभ्यास न करे। इस आसन के अभ्यास के दौरान अपनी शारीरिक क्षमता से अधिक जोर न लगाएं क्योंकि इससे चोट लगने की संभावना बढ़ सकती है। अगर किसी को उच्च रक्तचाप या फिर माइग्रेन की समस्या है तो वो भी इस योगासन का अभ्यास करने से बचे।

फायदे

अर्ध धनुरासन का नियमित अभ्यास करने से मिलने वाले फायदे

रोजाना अर्ध धनुरासन करने से कलाइयों, भुजाओं, पैर, कंधों, पीठ और रीढ़ की हड्डी को मजबूती मिलती है। इस योगासन से पूरे शरीर की मांसपेशियों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इस योगासन को करने से मासिक धर्म के दौरान होने वाले दर्द से भी कुछ हद तक राहत मिलती है। इस आसन से कूल्हे और घुटनों से संबंधित समस्याएं दूर हो जाती हैं। इस योगासन से पाचन तंत्र की कार्यक्षमता को बढ़ाने में काफी मदद मिलती है।

टिप्स

अर्ध धनुरासन के अभ्यास से जुड़ी महत्वपूर्ण टिप्स

अगर आप पहली बार इस योगासन का अभ्यास करने वाले हैं तो ऐसा किसी प्रशिक्षक की निगरानी में ही करें क्योंकि वह आपकी उम्र, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं (अगर कोई है) और क्षमता के अनुसार ही इसका अभ्यास करना सिखाएगा। इस योगासन की शुरुआत में संतुलन बनाना मुश्किल हो सकता है, इसलिए तकिये का सहारा लें। इस योगासन के अभ्यास के दौरान शरीर का अत्यधिक भार सिर्फ पेट पर होता है, इसलिए इसके अभ्यास के समय कोई जल्दबाजी न करें।

चेहरे के इस हिस्से पर निकल रहे हैं दाने तो हल्के में न लें

चेहरे के कुछ हिस्से यानी गाल और माथे पर अगर एक्ने निकल रहा है तो सावधान हो जाइए। इस तरह के दानों को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। यह खराब सेहत का इशारा भी हो सकता है, इसलिए तुरंत अलर्ट हो जाना चाहिए। इसे लेकर एबीपी लाइव ने डर्मेटोलॉजिस्ट डॉक्टर आशीष गुप्ता से बात की तो उन्होंने बताया कि गाल पर या सिर्फ हेयर लाइन पर एक्ने निकलना गंभीर भी हो सकता है। इसे सिर्फ दाना समझने की भूल हानिकारक बन सकती है। जानिए ऐसा क्यों होता है।।।

बाल और चेहरे की लाइन पर एक्ने निकलने का कारण हेयर प्रोडक्ट्स भी हो सकता है, जो नेचुरल ऑयल को हेयर फॉलिकल्स में बनाकर रखते हैं। हेयरलाइन पर अगर अक्सर ही पिंपल निकलते हैं तो अपने हेयर प्रोडक्ट को बदल लेना चाहिए।

अगर गाल पर एक्ने निकल रहा है तो इसका कारण हार्मोस या ऑयली फेस नहीं बल्कि गंदे फोन स्क्रीन या गंदे तकिए हो सकते हैं। जब फोन को कान में लगाते हैं तो स्क्रीन पर चिकके बैक्टीरिया गालों पर चिपक जाते हैं, जिसकी वजह से दाने निकलने लगते हैं। फिर चेहरे को छूने या गंदे पिलो कवर के कारण गाल पर एक्ने निकलता है।

जॉलाइन या चिन पर अगर हमेशा पिंपल्स निकलते हैं तो इसका कारण हार्मोंस में बदलाव होना भी हो सकता है। एंडोक्राइन सिस्टम में गड़बड़ी के कारण एड्रोजेंस हार्मोन का उत्पादन होता है, जिससे ऑयल ग्लैंड्स बहुत ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं और पोर्स को ब्लॉक कर देते हैं। पीरियड्स के पहले ये हार्मोस ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं। डाइट को संतुलित करके ही इससे छुटकारा पाया जा सकता है।

अगर चेहरे के फोरहेड और नाक पर मुंहासे निकल रहे हैं तो इसका एक कारण स्ट्रेस भी हो सकता है। इसका कारण चेहरे पर ऑयल उत्पादन बढ़ जाता है। एक स्टडी के अनुसार, ऐसे लोग जो सुबह थके हुए उठते हैं, उनके माथे पर एक्ने निकलने की ज्यादा आशंका होती है।

मरीज के बैड पर शव रखना दुर्भाग्यपूर्ण

अनुज वर्मा

आये दिन छोटे-बड़े शहरों के सरकारी अस्पतालों में ऐसे किस्से उजागर होते हैं, जो चिकित्सा-तंत्र की संवेदनहीनता को दर्शाते हैं। लेकिन लुधियाना के सिविल अस्पताल में एक मरीज के साथ एक ही बैड में शव रखना वाकई परेशान करने वाली घटना है। हालांकि, पहले कहा गया कि अज्ञात मरीज का शव एक अन्य मरीज के बिस्तर पर दो घंटे से अधिक समय तक रहा, बाद में विभागीय जांच में अवधि को 37 मिनट बताया गया।

बहरहाल, घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। मामले में प्रशासनिक जांच के आदेश दिये गए हैं, लापरवाही की जवाबदेही तय करके कार्रवाई की बात कही जा रही है। निश्चित रूप से घटना परेशान करती है। निस्संदेह, उस मरीज की मनःस्थिति को समझा जा सकता है जो शव के साथ लेटा रहा होगा। यह घटना हमारे सरकारी अस्पतालों की बदहाली को बताती है, जिसके चलते कि एक बैड पर दो-दो मरीजों को लिटाया जाता है। ऐसे में रोगियों को अन्य संक्रमण होने की भी प्रबल संभावना बनी रहती है। विडंबना ये है कि इन अस्पतालों में वे ही मरीज आते हैं, जो मजबूरी के मारे होते हैं। वे प्राइवेट अस्पतालों में इलाज कराने में सक्षम नहीं होते। बताया जाता है कि मरने

वाले मरीज को नौ अप्रैल को लुधियाना के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसकी जांघ की हड्डी टूटी थी।

इस अज्ञात मरीज के साथ कोई तीमारदार भी नहीं था। लगता है कि उसे समय रहते पर्याप्त उपचार नहीं मिल पाया। बताया जाता है कि बारह अप्रैल को किसी डॉक्टर ने मरीज की फाइल में नोट लिखा कि मरीज बिस्तर पर नहीं पाया गया, जबकि मरीज चलने-फिरने में सक्षम नहीं था। उसकी फाइल में कुछ और नोट्स भी हैं लेकिन लिखने वाले डॉक्टर का नाम उसमें नहीं था। चौदह अप्रैल को मरीज को दूसरे अस्पताल में रैफर किया गया, लेकिन रैफर करने वाले डॉक्टर का उसमें उल्लेख नहीं है।

कालांतर 15 अप्रैल को मरीज की सुबह ग्यारह चालीस पर मौत होना बताया गया है। शव को सवा बारह बजे के बाद मोर्चरी में शिफ्ट किया जाना बताया गया। मामले के तूल पकड़ने के बाद लुधियाना के डिप्टी कमिश्नर ने मामले की जांच शुरू की है। बहरहाल, मामले की हकीकत जांच के बाद ही सामने आ पाएगी। लेकिन घटना ने एक बार फिर सिविल अस्पतालों में प्रबंधन की खामियों को उजागर ही किया है। बताते हैं कि नौ अप्रैल को भर्ती अज्ञात मरीज को ग्यारह अप्रैल तक उपचार नहीं मिला। कहना कठिन है कि उस मरीज के साथ क्या हादसा हुआ जिससे उसकी जांघ की हड्डी टूटी। क्या वो कोई राहगीर था जो किसी वाहन से हुई दुर्घटना का शिकार हुआ? यदि वह स्थानीय था तो उसके तीमारदार क्यों नहीं आए? क्या वह किसी आपराधिक साजिश का शिकार हुआ?

बहरहाल, एक बात तो तय है कि दुर्भाग्य का मारा अज्ञात मरीज सिविल अस्पताल में कोताही का शिकार हो गया। बहुत संभव है कि समय रहते उसे उपचार मिलता तो शायद उसकी जान बच जाती। सवाल यह है कि गरीबों की अंतिम उम्मीद बने सरकारी अस्पतालों की बदहाली सुधारने के प्रयास क्यों नहीं किये जाते? लुधियाना जैसे बड़े व समृद्ध शहरों में तमाम व्यक्ति व समाजसेवी संगठन जनसेवा हेतु सक्रिय रहते हैं, क्यों नहीं इन अस्पतालों में पर्याप्त बैड उपलब्ध कराने के प्रयास होते हैं? तमाम राजनीतिक, सामाजिक व धार्मिक आयोजनों में पैसा पानी की तरह बहाया जाता है, क्यों नहीं समाज के अंतिम व्यक्ति के उपचार के लिये आखिरी आश्रय स्थल सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था सुधारने के लिये योगदान दिया जाता? हमारे जनप्रतिनिधि क्यों नहीं इस दिशा में पहल करते? जनता को इन अस्पतालों में जीवन रक्षा उपकरणों व बैड आदि की व्यवस्था कराने के लिये सरकार पर दबाव बनाना चाहिए। वहीं दूसरी ओर यह भी हकीकत है कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों का भारी दबाव है।

अस्पतालों को पर्याप्त मात्रा में ग्रांट भी उपलब्ध नहीं करायी जाती ताकि उपचार की पर्याप्त व्यवस्था हो सके। विडंबना यह भी कि यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों का भी अभाव है। युवा डॉक्टर मरीजों के दबाव व आर्थिक लाभों के सम्मोहन में सरकारी सेवाओं में आने से कतराने लगे हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

गर्मियों के दौरान डाइट में जरूर शामिल करें लीची, मिलेगें स्वास्थ्य से जुड़े कई लाभ

लीची गर्मियों में आने वाला फल है, जिसे दक्षिण पूर्व एशिया में सबसे ज्यादा उगाया जाता है।खट्टे-मीठे स्वाद से भरपूर लीची विभिन्न विटामिन्स, खनिज और एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती हैं।इसे आप ऐसे ही खा सकते हैं या फिर जूस, स्मूदी, आइसक्रीम और कई तरह के व्यंजनों के तौर पर लीची को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।आइए जानते हैं कि लीची के सेवन से क्या-क्या स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

विटामिन-ष्ट का हैं बेहतरीन स्त्रोत

विटामिन-ष्ट यानी एस्कॉर्बिक एसिड एक शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट है, जो शरीर के परिसंचरण तंत्र के लिए जरूरी होता है।विशेषज्ञों के मुताबिक, लीची में विटामिन-ष्ट की भरपूर मात्रा मौजूद होती है। बता दें कि 1०० ग्राम लीची में लगभग 7० मिलीग्राम विटामिन-ष्ट होता है।अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, विटामिन-ष्ट के सेवन से स्ट्रोक का खतरा 42 प्रतिशत तक कम हो सकता है।

पॉलीफेनोल्स से होती हैं भरपूर

लीची में कई अन्य फलों की तुलना में अधिक मात्रा में पॉलीफेनोल्स होते हैं, जो हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने, कैंसर का जोखिम कम करने और ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं।इसके अतिरिक्त लीची में रुटिन की मात्रा भी अधिक होती है।फूड केमिस्ट्री जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, रुटिन आर्थराइटिस और सूजन जैसी बीमारियों से बचाने में सहायता प्रदान कर सकता है।

पाचन के लिए हैं लाभदायक

पाचन क्रिया को स्वस्थ बनाए रखने में भी लीची का सेवन मदद कर सकता है।इसमें कई पोषण गुणों समेत भरपूर मात्रा में पानी मौजूद होता है और पानी भोजन पचाने में सबसे अहम माना जाता है। यह कब्ज, डायरिया और गैस जैसी समस्याओं से राहत दिलाने का काम करता है।इसके अतिरिक्त लीची में कैलोरी की मात्रा कम होती है, जिस वजह से इसका सीमित मात्रा में सेवन वजन घटाने में भी सहायक है।

शरीर को हाइड्रेट करने में हैं मददगार

शरीर में पानी की कमी कई बीमारियों को आमंत्रित कर सकती है, इसलिए डॉक्टर हाइड्रेशन पर अतिरिक्त ध्यान देने की सलाह देते हैं।अगर आप रोजाना लीची का सेवन करते हैं तो यह शरीर को हाइड्रेट रखने में काफी मदद कर सकती हैं। इसका कारण है कि इसमें पानी की अधिकता होती है।इसके अतिरिक्त ये पेट को प्राकृतिक रूप से ठंडा रखने में भी सहायक हैं।यहां जानिए पेट की गर्मी को दूर करने वाले अन्य खाद्य पदार्थ।

ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में हैं प्रभावी

जब शरीर में एंटी-ऑक्सीडेंट और मुक्त कणों के बीच असंतुलन होता है तो इससे ऑक्सीडेटिव तनाव होने लगता है।आमतौर पर उम्र बढने् की प्रक्रिया का एक हिस्सा माना जाने वाला ऑक्सीडेटिव तनाव शरीर की कोशिकाओं और ऊतकों को नुकसान पहुंचा सकता है।हालांकि, लीची का सेवन इस समस्या से सुरक्षित रखने में भी मदद कर सकता है क्योंकि ये कई एंटी-ऑक्सीडेंट्स का बेहतरीन स्त्रोत मानी जाती हैं, जो मुक्त कणों को शरीर से दूर कर सकते हैं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -90

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भूत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे
2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

1	2	■	3	4	5	■	6	7
■	8	9				■	■	
10			■	11		12	13	■
14		■	15	■	■	16		17
	■	18		19	20	■	21	
22			■	23		■	■	
■	■		■		■	24	25	
26				■	27			■
	■		■	■	28			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 89 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

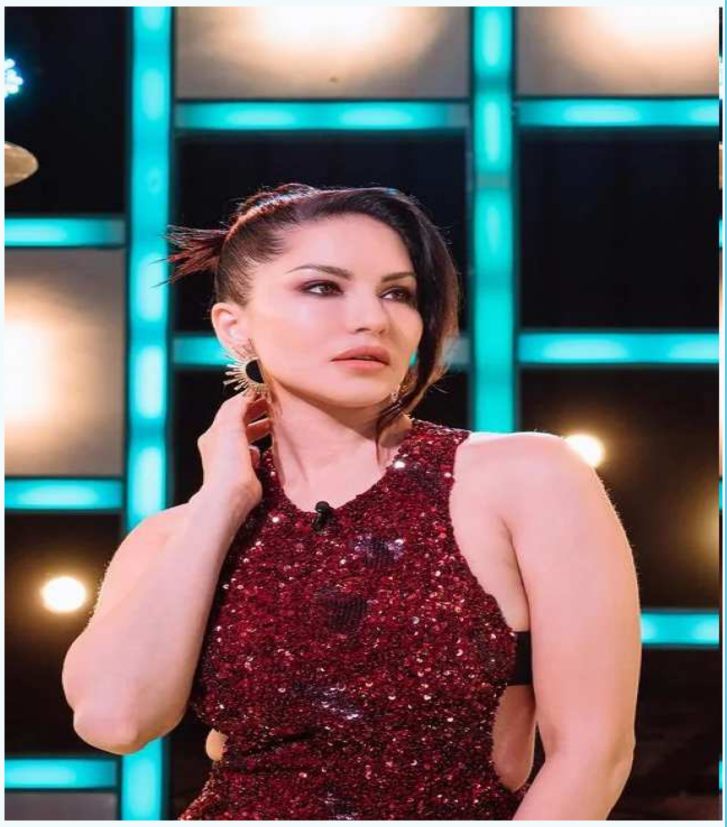

मरून शिमरी गाउन पहनकर सनी लियोन ने गिराई बिजलियां

बॉलीवुड की खूबसूरत हसीनाओं का जिक्र हो और सनी लियोन का नाम न आए, ऐसा कैसे हो सकता है। अपनी खूबसूरती और एक्टिंग के दम पर बॉलीवुड में छाई रहने वाली सनी लियोन सोशल मीडिया पर भी छाई रहती हैं। किलर अदाओं से लोगों के दिलों पर राज करने वाली सनी लियोन जैसे ही कोई पोस्ट शेयर करत हैं, वैसे ही लाइक और कमेंट करने वालों की होड़ लग जाती है।

प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली सनी लियोन को देखने के लिए उनके चाहने वाले बेताब बैठे रहते हैं। वह कुछ भी शेयर करती हैं, लाइक्स-कमेंट्स करने वालों की भरमार हो जाती है। हाल ही में सनी लियो ने एक बार फिर चाहने वालों को शानदार विजुअल ट्रीट दी है।

लेटेस्ट शेयर की गई फोटोज में सनी लियोन ने मरून शिमरी गाउन पहन रखा है। बॉडीकॉन गाउन में सनी लियोन का लुक देखकर लोगों के दिल धडके़ जा रहे हैं।

शेयर की गई फोटोज में सनी लियोन शिमरी गाउन में बेहद ग्लैमरस और हॉट लग रही हैं। वह इतनी ज्यादा अट्रैक्टिव लग रही हैं कि उनसे आपकी नजरें एक मिनट के लिए नहीं हटेंगी।

इन फोटोज में सनी लियोन ने अपने कर्वी फिगर को बड़ी ही खूबसूरती से फ्लॉन्ट किया है। उनका लुक अप्सरा से कम नहीं लग रहा है। सनी ने अपनी फोटोज को शेयर करते हुए एक हार्ट और फायर इमोजी कैप्शन दिया है।

सनी लियोन ने अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए हाई हील पहनी हैं और कानों में इयररिंग्स कैरी किए हैं। सनी की इन फोटोज को 222 हजार से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं। (आरएनएस)

चाहेंगे तुम्हें इतना की स्वाति शर्मा ने अपनी मां से मिली सीख को किया साझा

चाहेंगे तुम्हें इतना में आशी की भूमिका के लिए मशहूर एक्ट्रेस स्वाति शर्मा ने अपनी मां से मिली कुछ सीख साझा की, जिससे उनके एक्टिंग करियर में काफी मदद मिली।

स्वाति ने कहा, काम के प्रति मेरा जुनून मेरी मां से आता है, जिन्होंने मुझे वह करना सिखाया जो मुझे सचमुच पसंद है। अपने जुनून के प्रति उनका समर्पण मुझे अपने काम के प्रति समर्पित होने के लिए प्रेरित करता है।

एक्ट्रेस ने उदाहरण देते हुए याद किया कि एक बार उनकी मां ने दूसरों की आलोचना के बावजूद साड़ी के बजाय सलवार कमीज पहनने का फैसला किया था।

जिस चीज में वह सहज महसूस करती थी उसे अपनाने की उनकी हिम्मत ने मुझे अपने प्रति सच्चा रहना और नकारात्मकता को नजरअंदाज करना सिखाया। चाहे कुछ भी हो, मैं हमेशा वही करती हूं जो मुझे लगता है कि मेरे लिए सही है, उनके मूल्यवान सीख के लिए धन्यवाद।

स्वाति ने कहा, मुझे नहीं लगता कि त्याग शब्द का इस्तेमाल मां के कामों को बताने के लिए करना ठीक होगा, क्योंकि मेरे पिता ने हमेशा यह सुनिश्चित किया था कि उन्हें अपनी इच्छाओं को कभी नहीं छोड़ना पड़े। इसके बजाय, समर्पण बिल्कुल सटीक शब्द है, उन्होंने वित्तीय स्थिति की परवाह किए बिना वह परिवार को अपना सब कुछ देती है। एक मां का बलिदान, खास तौर से अपने बच्चों के लिए, उनकी जरूरतों को अपनी जरूरतों से ज्यादा प्राथमिकता देने की उसकी इच्छा में स्पष्ट होता है। यहां तक कि जब मैं काम के लिए दूर चली गयी, तब भी वह अपने बिजी शेड्यूल के बावजूद मेरे लिए समय निकालती रही। चाहेंगे तुम्हें इतना शेमारू उमंग पर प्रसारित होता है।(आरएनएस)

बॉर्डर 2 बनेगी भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी वॉर ड्रामा फिल्म, रिलीज तारीख भी आई सामने

जब से फिल्म बॉर्डर के सीक्वल बॉर्डर 2 बनने का ऐलान हुआ है, प्रशंसकों का उत्साह चरम पर है। वे फिल्म के हर छोटे-बड़े अपडेट पर नजर बनाए हुए हैं।खबरें थीं कि इस फिल्म के लिए सनी देओल और आयुष्मान खुराना साथ आ रहे हैं और नई जानकारी के मुताबिक, फिल्म में दोनों की एंट्री पक्की हो गई है। इसी के साथ रिलीज से जुड़ी जानकारी भी सामने आई है।आइए जानते हैं पर्दे पर कब आएगी बॉर्डर 2।

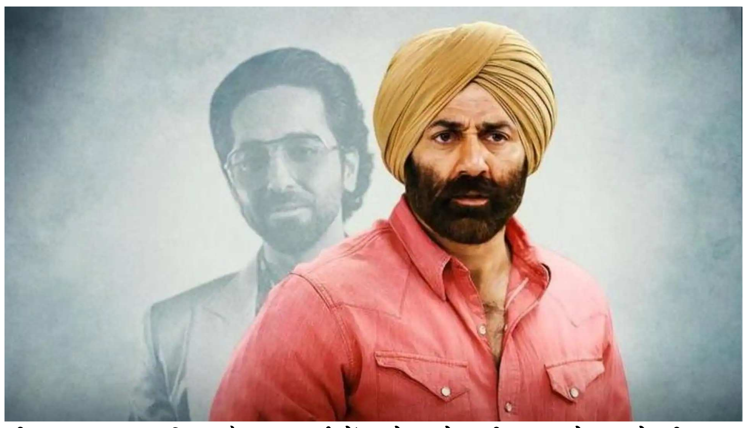

रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता भूषण कुमार और जेपी दत्ता ने बॉर्डर 2 को गणतंत्र दिवस, 2026 में रिलीज करने की योजना बनाई है। वे 23 जनवरी, 2026 को इसे दर्शकों के बीच लाने की तैयारी में हैं। 26 जनवरी, 2026 को गणतंत्र दिवस की छुट्टी होगी।लिहाजा फिल्म देखने ज्यादा से ज्यादा दर्शक पहुंचेंगे।निर्माताओं को लगता है कि भारतीय सैनिकों की बहादुरी का जश्न मनाने वाली इस फिल्म की रिलीज के लिए इससे बेहतर समय कोई नहीं हो सकता।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आयुष्मान ने फिल्म साइन कर ली है। सनी जहां इसमें दोबारा मेजर कुलदीप सिंह चौधरी की दमदार भूमिका अदा करेंगे, वहीं आयुष्मान भी एक शानदार भूमिका के साथ दर्शकों के बीच दस्तक देने वाले हैं। उनकी भूमिका सनी से कमतर नहीं होगी।अनुराग सिंह इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं।निर्माता-निर्देशक बॉर्डर 2 के रूप में भारतीय सिनेमा की अब तक की सबसे बड़ी वॉर ड्रामा फिल्म बनाने वाले हैं।

बॉर्डर 1997 में रिलीज हुई थी, जिसका निर्देशन जेपी दत्ता ने किया था। खास बात यह है कि बॉर्डर को 2026 में 29 साल पूरे हो रहे हैं। यह फिल्म 1971 के भारत-पाक युद्ध पर आधारित थी। इस फिल्म में सनी के साथ सुनील शेट्टी और अक्षय खन्ना मुख्य भूमिका में नजर आए थे।फिल्म देशभक्ति से लबरेज थी। 10 करोड़ रुपये की लागत से बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 65 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

सनी फिल्म लाहौर 1947 में भी नजर आएंगे। इसमें वह एक बार फिर पाकिस्तानियों से जंग लड़ते दिखेंगे। उनकी इस फिल्म के निर्माता आमिर खान तो निर्देशक राजकुमार संतोषी हैं। सनी के खाते से अपने 2 और रामायण भी जुड़ी है।दूसरी तरफ आखिरी बार ड्रीम गर्ल 2 में दिखे आयुष्मान का नाम दिनेश विजान की अगली फिल्म से लेकर कई फिल्मों से जुड़ चुका है, लेकिन किसी भी फिल्म की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

कमल हासन की ठग लाइफ से सिलंबरासन का दमदार लुक हुआ रिवील

साउथ सुपरस्टार कमल हासन अपनी पिछली रिलीज फिल्म विक्रम से धमाका करने के बाद अपनी अपकमिंग एक्शन ड्रामा फिल्म ठग लाइफ से चर्चा में हैं। कमल हासन के फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म को साउथ फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज डायरेक्टर मणिरत्नम डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में कमल हासन को मिलाकर सात स्टार हैं और अब फिल्म में आठवें स्टार की भी एंट्री हो गई है। फिल्म में शामिल हुए साउथ स्टार सिलंबरासन टीआर की एंट्री हो गई है। मेकर्स ने सिलंबरासन टीआर का फिल्म ठग लाइफ से एक्शन पैक्ड फर्स्ट लुक शेयर किया है और साथ ही एक एक्शन पैक्ड टीजर भी रिलीज हुआ है।

बता दें, साउथ स्टार सिलंबरासन टीआर के फर्स्ट लुक की बात करें तो वह कार में बैठे आंखों पर चश्मा चढ़ाए हाथ में गन थामे हुए हैं। वहीं, टीजर में आप देखेंगे कि कैसे एक्टर ने कार में स्टंट कर खुद को ग्लोरिफाई किया है। बता दें, इस फिल्म में साउथ हसीन तृषा कृष्णन, जयम रवि, ऐश्वर्या लक्ष्मी, गौतम कार्तिक, जोजू जियॉर्ज, कमल हासन, दुलकर सलमान की पहले ही एंट्री हो चुकी है। बता दें, ठग लाइफ कमल के करियर की 234वीं फिल्म है, जिसकी शूटिंग जनवरी 2024 में शुरू हो चुकी है। फिलहाल फिल्म की रिलीज डेट का एलान नहीं किया गया है, लेकिन मल्टी स्टारर इस फिल्म में मणिरत्नम बड़ा धमाका करने जा रहे हैं। मणिरत्नम ने इससे पहले फिल्म पोन्नियन सेलवन पार्ट 1 और 2 से धमाका किया था। इसमें विक्रम, जयम रवि, कार्ती, ऐश्वर्या राया, शोभिता धुलिपाला, तृषा कृष्णन ने लीड रोल प्ले किया था।

मेट्रो इन दिनों के सेट से लीक हुआ अली फजल और फातिमा सना का फर्स्ट लुक

अनुराग बसु पिछले लंबे समय से अपनी मल्टीस्टारर फिल्म मेट्रो इन दिनों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में फिल्म के सेट से अली फजल और फातिमा सना शेख का फर्स्ट लुक लीक हो गया है। फिल्ममेकर अनुराग बसु अपनी इस नई कहानी को लेकर काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं। अली फजल और फातिमा सना शेख के अलावा फिल्म में आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अनुपम खेर, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी और कोंकणा सेन शर्मा मुख्य भूमिका में हैं।

बता दें कि अली और फातिमा पहली बार एक साथ काम कर रहे हैं। उनके बीच सेट पर और सेट के बाहर बहुत अच्छी दोस्ती है। उन्होंने एक साथ दो शेड्यूल पूरे कर लिए हैं और जल्द ही मुंबई में तीसरे शेड्यूल की शूटिंग करेंगे। मेट्रो इन दिनों एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है।

फिल्म के सेट से लीक हुई तस्वीरों में एक्टर अली फज़ल और फातिमा सना शेख को निर्देशक अनुराग बसु के साथ पानी में भीगते हुए देखा जा सकता है, जिससे फैंस को हिंट मिल रहा है कि अली और फातिमा बारिश में कोई सीन फिल्मा रहे होंगे। ये झलक बसु और उनकी टीम द्वारा तैयार की जा रही दुनिया की एक आकर्षक झलक पेश करती है।

अली और फातिमा के अलावा भी, पहली बार होगा जब सारा अली खान और आदित्य रॉय कपूर एक साथ स्क्रीन शेयर करने वाले हैं। फैंस इस फ्रेश जोड़ी को देखने के लिए काफी एक्साइडेड हैं। बता दें कि फिल्म मेट्रो इन दिनों का पहला पार्ट साल 2007 में रिलीज हुआ था, जो सुपरहिट साबित हुआ था। फैंस को इस फिल्म की कहानी काफी पसंद आई थी। मालूम हो कि मेकर्स ने कई बार मेट्रो इन दिनों की रिलीज डेट को आगे बढ़ाया है। अब ये फिल्म 29 नवंबर 2024 को रिलीज होगी।(आरएनएस)

भारत के लिए चुनौतीपूर्ण

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

हिन्द महासागर में शक्ति संतुलन बनाए रखने के लिए बीजिंग और नई दिल्ली, दोनों मालदीव को अपने प्रभाव क्षेत्र में रखने के लिए कृतसंकल्पित रहे हैं। इसका असर मालदीव की घरेलू राजनीति पर भी देखने को मिल रहा है।

भारतीय उपमहाद्वीप के दक्षिण पश्चिम में स्थित इस द्वीपीय देश में मुइज्जू के राजनीतिक उभार से भारत की समस्याएं बढ़ रही हैं। दरअसल, मुइज्जू भारत की मालदीव में उपस्थिति को अनियंत्रित बता कर देश की सत्ता के शीर्ष पर आए हैं, और भारत विरोध की नीति के सहारे देश की संसद में पूर्ण बहुमत हासिल करने में कामयाब हो गए हैं। लेकिन अब मुइज्जू ने जिस प्रकार देश की संसद में भी बंपर बहुमत हासिल किया है, उससे लगता है कि उनके भारत विरोध और चीन परस्त नीतियों को जनता ने पसंद किया है। ऐसे में यह विचार लाजिमी है कि आखिर, मालदीव की जनता भारत जैसे विसनीय मित्र के खिलाफ जाकर चीन की कुटिल कर्जनीति में क्यों उलझना चाहती है, और इसके दूरगामी परिणाम भारत के लिए कितने चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। जनसंख्या की लिहाज से बहुत छोटे इस इस्लाम बाहुल्य देश में पिछले कुछ वर्षो में परंपरावाद को उभारने की कोशिशें राजनीतिक फायदा देने वाली साबित हुई हैं।

खाड़ी देशों में रोजगार के लिए जाने वाले मालदीव के हजारों नागरिकों की कथित धार्मिक अभिव्यक्ति को मुइज्जू ने वोट में बदलने में कामयाबी हासिल कर ली है। उन्होंने भारत से ऐतिहासिक जुड़ाव को नजरअंदाज कर बदलती परिस्थितियों में तुर्की, पाकिस्तान और सऊदी अरब की ओर रुख किया। फिलिस्तीन जैसे भावनात्मक मुद्दे को धार्मिक आधार पर उठाया तथा इस्लामिक आदर्शवाद पर आधारित नये मालदीव की परिकल्पना को राजनीतिक आधार पर जनता के सामने रखा। मुइज्जू ने संसद में संविधान में संशोधन के लिए आवश्यक दो तिहाई बहुमत हासिल कर लिया है। अर्थ यह कि वे राजनीतिक संस्थागत दृष्टिकोण से, सब कुछ नियंत्रित कर सकते हैं खासकर न्यायपालिका की शक्तियां भी प्रभावित हो सकती हैं। मालदीव में राजनीतिक उथल-पुथल का इतिहास रहा है। भारत समर्थक राजनीतिक दलों पर अंकुश लगाने के लिए मुइज्जू प्रमुख नेताओं को जेल में डाल सकते हैं।

मुइज्जू ने सत्ता में आने के बाद चीन से मजबूत रिश्तों को तरजीह दी। वे अब तक नई दिल्ली नहीं आए हैं, बीजिंग की राजकीय यात्रा पर जाकर निवेश के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। चीन के साथ गैर-घातक हथियारों को मुफ्त में देने के साथ-साथ मालदीव के सुरक्षा बलों को प्रशिक्षित करने के लिए एक सैन्य सहायता समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। भारत और अमेरिका ने पहले मालदीव की सेना को प्रशिक्षित किया था। भारत मालदीव को हिन्द महासागर क्षेत्र में प्रमुख समुद्री भागीदार के रूप में मान्यता देता है।

यह द्वीपीय राष्ट्र भौगोलिक दृष्टि से भारत और कुछ प्रमुख अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों पर नजर रखता है। भारत ने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि मालदीव व्यापार, पर्यटन और शिपिंग के लिए रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण है। मालदीव रणनीतिक रूप से लक्षद्वीप द्वीप समूह से केवल सात सौ किलोमीटर और भारत की मुख्य भूमि से बारह सौ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। मालदीव में चीन का बढ़ता प्रभाव भारत से इसकी निकटता को देखते हुए महत्त्वपूर्ण सुरक्षा चिंताओं को जन्म देता है। हिन्द महासागर क्षेत्र में चीन ने तेजी से सैन्य आधुनिकीकरण किया है, इससे भारत की सामरिक और आर्थिक क्षमताओं के सामने चुनौतियां बढ़ गई हैं।

हिन्द महासागर में बीजिंग के बढ़ते प्रभाव और उसकी महत्त्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल में मुइज्जू की दिलचस्पी कम नहीं है। 2023 में मालदीव के राष्ट्रपति पद पर मोहम्मद मुइज्जू के चुने जाने के बाद से क्षेत्र में देश के रिश्ते बदल गए हैं। मालदीव ने चीन के साथ रक्षा समझौतों और बुनियादी ढांचे के सौदों पर हस्ताक्षर किए हैं। चीन के समुद्री अनुसंधान जहाज जियांग यांग होंग को मालदीव के बंदरगाह पर डॉक करने की अनुमति देने से चीन का प्रभाव और भी पुष्ट होता है। जनवरी में जब मुइज्जू ने चीन का दौरा किया था, इसके चौबीस घंटे के बाद चीन के इस जहाज ने अपनी यात्रा की शुरुआत की थी।

संभवतः मुइज्जू इसके जरिए भारत को यह संदेश भी दे देना चाहते थे कि वे चीन से रिश्तों को लेकर कोई समझौतावादी रुख नहीं अपनाएंगे। बारह सौ द्वीपों की श्रृंखला से बने मालदीव के अधिकांश द्वीप निर्जन हैं। मालदीव लंबे समय से भारत के प्रभाव क्षेत्र में रहा है। वहां अपनी मौजूदगी बनाए रखने से दिल्ली को हिन्द महासागर के एक प्रमुख हिस्से पर नजर रखने की क्षमता मिलती है।

मुइज्जू को देश में चीन के हितों के समर्थक के रूप में देखा जाता है। भारत और चीन, दोनों रणनीतिक रूप से स्थित द्वीपों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं, जो व्यस्त पूर्व पश्चिम शिपिंग लेन में फैले हुए हैं। चीन, अपनी तेजी से बढ़ती नौसेना के साथ, रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण स्थान तक पहुंच तथा भारत को रोकना चाहता है। दिल्ली और बीजिंग, दोनों ने मालदीव को बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं के लिए ऋण और अनुदान के रूप में करोड़ों डॉलर दिए हैं। मुइज्जू अब चीन पर निर्भरता बढ़ा रहे हैं, और यह भारत के लिए चुनौतीपूर्ण बन रहा है।

भारत को हिन्द महासागर के अहम साझेदार मालदीव के साथ राजनीतिक गतिरोध को दूर करने की कोशिशें करते रहना होगा। आर्थिक और सुरक्षा सहयोग पर ध्यान केंद्रित करने को प्राथमिकता देनी होगी। जापान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों जैसे प्रमुख सुरक्षा भागीदारों के साथ भी रक्षा सहयोग को मजबूत करना होगा जिससे चीन को इस क्षेत्र में निर्णायक रणनीतिक बढ़त लेने से रोका जा सके। चीन मालदीव जैसे छोटे से देश की भारत पर सैन्य निर्भरता कम करने के लिए उसकी सैन्य क्षमताओं का विकास कर रहा है, इससे मालदीव की सेना मजबूत होगी और इसके राजनीतिक दुरुपयोग की आशंकाएं भी बढ़ सकती हैं। मुइज्जू चीन के उस सामरिक चक्रव्यूह को रचने में मददगार बन रहे हैं, जिसके अनुसार चीन मालदीव में नौसैनिक अड्डा बना कर समुद्री सीमा पर भारत को रणनीतिक रूप से घेर ले जिससे हिमालय की सीमा पर भारत पर सैन्य दबाव बढ़ सके।

सू- दोकू क्र. 90

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 89 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	[illegible]	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

न्यायिक सक्रियता का आगाज

सर्वोच्च न्यायालय ने आपराधिक मामलों की सुनवाई में अदालतों को सहभागिता-सक्रियता का निर्देश दिया है। कहा है कि अदालतें गवाहों, खास कर गुमराह हुए गवाहों, के बयान दर्ज करने वाला टेप-रिकार्डर भर नहीं हैं। दरअसल, यह पैसिवनेस है, जो दोतरफा मार करती है।

पहले तो सरकारी वकील ऐसे गवाहों के प्रति ढीले पड़ जाते हैं। वे उससे जरूरी सवाल भी नहीं करते जिनसे कि उसके मुकरने की सटीक वजह मालूम होती। कोई भी आपराधिक मुकदमा गुमराह गवाहों की बदौलत जीता जाता है। इसमें सरकारी वकील, जो अभियोजन पक्ष के होते हैं, वे अपने पैने सवालों से सच उगलवा सकते हैं, पर वे इन सवालों को जानबूझ कर टाल जाते हैं। उनका यह कतराना भी बिका हुआ होता है, जबकि उन्हें सरकार से मोटी पगार मिलती है।

इस स्थिति में बदलाव के लिए सरकारी वकीलों के पदों को वकील की राजनीतिक निष्ठा के आधार पर नहीं, उसकी पेशेवर सक्षमता के अनुसार भरा जाना चाहिए। योग्यता और नैतिक निष्ठा सबसे जरूरी आस्पेक्ट है। गलत और अक्षम वकीलों के चयन से मुकदमा जरूरी स्टेज पर कमजोर होने लगता है। दोषी मुकदमा जीत जाता है। पीड़ित को कभी भरोसा ही नहीं होता कि उसकी सुनवाई निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से होगी, उसे अंततः न्याय मिलेगा।

यहां सबसे बड़ी क्षति न्यायाधीशों की अ-सक्रियता से होती है, जब वे अपनी भूमिका को गवाहों के बयान दर्ज करने तक सीमित कर अ-सहभागी हो जाते हैं। यह दोहरा घाटा है। इससे न्याय के उस प्राथमिक सिद्धांत का खंडन हो जाता है, जिसे सुलभ कराने के लिए न्यायपालिका का गठन हुआ है। इससे बचने के लिए सर्वोच्च न्यायालय अदालतों से गवाहों से जिरही होने की ताकीद करती है ताकि सच का खुलासा हो सके। मुकदमे पर रोशनी पड़े।

पीड़ितों को न्याय मिले। यह बिल्कुल वाजिब ताकीद है। प्रायः देखा गया है कि बड़े से बड़ा कांड, यहां तक कि नरसंहार मामलों में भी गवाहों के मुकरने और अदालतों के जिरही न होने से दोषी छूटते रहे हैं। इससे न्याय व्यवस्था की भारी किरकिरी होती रही है। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा निर्देश में इस नासूर हो चुकी स्थिति की एक बुनियादी पड़ताल है। अदालतों को सक्रिय होना है। इस अंदाज में कि अपराध का दूसरा पहलू सामने आ सके क्योंकि 'कोई अपराध आखिर में एक व्यक्ति के विरुद्ध ही नहीं, समाज के विरुद्ध भी होता है।' क्या यह न्यायिक सक्रियता का आगाज है? नहीं, इसकी अपनी सीमा है पर यह कई बार न्याय व जन हित में लाजिमी है।(आरएनएस)

प्रवासी भारतीयों की कमाई

हिमानी रावत

प्रवासियों द्वारा अपनी कमाई देश वापस भेजने के मामले में भारत फिर पहले स्थान पर आ गया है। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में विदेशों में कार्यरत भारतीयों ने 111 अरब डॉलर से अधिक रकम देश को भेजा था। विप्रेषित धन का सौ अरब का आंकड़ा छूने और पार करने वाला भारत पहला देश बन गया है। यह उपलब्धि प्रवासी भारतीयों की दक्षता और उनकी बढ़ती कमाई को इंगित करती है। इससे पहले 2010, 2015 और 2020 में भी भारत में सबसे अधिक कमाई आयी थी।

भारत के अलावा मेक्सिको, चीन, फिलीपींस और फ्रांस इस मामले में शीर्ष के देशों में हैं। देश आने वाली कमाई विदेशी मुद्रा भंडार में उल्लेखनीय योगदान करती है तथा प्रवासियों के परिवार के जीवन-स्तर को बेहतर करने में बड़ी भूमिका निभाती है। साल 2020 में देश में 83.15 अरब डॉलर की राशि आयी थी, जो 2022 में 111.22 अरब डॉलर हो गयी। इसका अर्थ है कि भारत से अधिक संख्या में लोग काम करने भी जा रहे हैं और उनकी आमदनी भी बढ़ रही है। रिपोर्ट का आकलन है कि भारत के 1.80 करोड़ लोग दूसरे देशों में काम करते हैं, जो हमारी कुल आबादी का 1.3 प्रतिशत है।

दुनिया में सबसे अधिक प्रवासी भी भारतीय हैं, जिनमें से अधिकतर संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और सऊदी अरब में कार्यरत हैं। प्रवासन के गंतव्य देशों की सूची में भारत 13वें स्थान पर है। हमारे देश में 44.8 लाख विदेशी प्रवासी हैं। निश्चित रूप से अधिक भारतीय कामगारों का विदेशों में काम करना संतोषजनक है। आबादी में बड़ी संख्या में युवाओं के होने के कारण इसमें आगामी वर्षों में लगातार बढ़ोतरी की संभावना है। आम तौर पर प्रवासियों द्वारा भेजी गयी रकम के मामले में चीन पहले पायदान पर रहता आया है, लेकिन आबादी में युवाओं का अनुपात कम होने और जन्म दर घटने से वह पीछे होने लगा है। विदेशों में भारतवंशी भी बड़ी संख्या में बसे हैं।

दूसरे देशों में भारत एवं भारतीयों को सम्मान से देखा जाता है। विभिन्न देश अपने विकास में भारतीयों के योगदान को आभार के साथ स्वीकार भी करते हैं। यह एक अनुकूल स्थिति है, जिसका पूरा लाभ भारत को उठाना चाहिए। इसके साथ-साथ कामगारों की परेशानियों पर भी समुचित ध्यान दिया जाना चाहिए। बहुत से कामगारों को देश में आवश्यक प्रशिक्षण नहीं मिला पाता। ऐसे में उनकी पगार और सुविधाएं प्रभावित होती हैं। उन पर प्रवासन खर्च, एजेंटों के कमीशन आदि का भार भी होता है। इसके अलावा, अनेक गंतव्य देशों में उन्हें शोषण, भेदभाव, काम के अधिक बोझ, सुविधाओं की कमी आदि से जूझना पड़ता है। संबद्ध देशों से बातचीत कर इन मुश्किलों का हल निकालने की कोशिश की जानी चाहिए।

'अभी तक 09 लाख 67 हजार 302 श्रद्धालु चारधाम में कर चुके हैं दर्शन'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डेय ने सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में चारधाम यात्रा की विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में प्रेस ब्रीफिंग करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी चारधाम यात्रा की नियमित समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिये हैं कि सबसे अधिक ध्यान सुरक्षित यात्रा पर दिया जाए। यात्रियों को यदि किन्हीं स्थानों पर ठहराया जा रहा है, तो वहां पर उन्हें सभी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाय। मुख्यमंत्री के निर्देश पर श्रद्धालुओं की हर सुविधा को ध्यान में रखते हुए कार्य किये जा रहे हैं। चारधाम यात्रा के लिए एक सप्ताह से रूके लोगों को यात्रा पर भेजा जा रहा है। अभी चारों धामों में यात्रा सुचारू रूप से चल रही है। यात्रा व्यवस्थाओं को बेहतर करने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये है कि चारों धामों में साफ-सफाई की व्यवस्था उच्च कोटि की हो। इसके लिए दो विशेष अधिकारियों की तैनाती की गई है। ठहराव वाले स्थानों पर स्पेशल सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती करने के निर्देश दिये गये हैं। सेक्टर मजिस्ट्रेट सफाई व्यवस्था की हर दो घण्टे में रिपोर्ट भेजेंगे।

आयुक्त गढ़वाल ने कहा कि 10 मई 2024 को श्री केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री तथा 12 मई को श्री बदरीनाथ के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले गये। उसके बाद से 23 मई 2024 तक चारों धामों में कुल 09 लाख 67 हजार 302 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। यमुनोत्री धाम में 01 लाख 79 हजार 932, गंगोत्री धाम में 01 लाख 66 हजार 191, श्री केदारनाथ में 04 लाख 24 हजार 242 और बदरीनाथ धाम में 01 लाख 96 हजार 937 श्रद्धालुओं ने दर्शन किये हैं। पिछले वर्षों की तुलना में पहले पखवाड़े में इस वर्ष लगभग दुगुने श्रद्धालुओं ने दर्शन किये हैं। गढ़वाल आयुक्त ने कहा कि चारधाम यात्रा में क्राउड मैनेजमेंट के लिए आवश्यकता पड़ने पर ही एनडीआरएफ और आईटीबीपी की मदद ली जायेगी।

❑आयुक्त गढ़वाल ने दी चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं की जानकारी

आयुक्त गढ़वाल ने कहा कि चारधाम यात्रा के शुरूआत के दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई, ट्रैफिक जाम की समस्याएं भी आयी। कुछ प्रकरण ऐसे भी पाये गये जिनमें तीर्थयात्रियों के दर्शन के लिए रजिस्ट्रेशन बाद के थे, लेकिन उन्होंने यात्रा पहले प्रारंभ कर ली। कुछ फेक रजिस्ट्रेशन की शिकायते भी प्राप्त हुई, इसको लेकर विभिन्न टूर ऑपरेटर्स के खिलाफ ऋषिकेश में तीन, हरिद्वार में 01 और रूद्रप्रयाग में 09 एफआईआर भी दर्ज की गई। काफी सख्त निर्देश दिये गये हैं कि बिना रजिस्ट्रेशन और रजिस्ट्रेशन की तय तिथि से पहले यात्रा किसी भी दशा में नहीं करने दी जायेगी।

आयुक्त गढ़वाल ने कहा कि अभी तक चारधाम यात्रा के लिए आये 52 श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई है। जिसमें अधिकांश लोग 60 वर्ष से अधिक के हैं। ज्यादातर मृत्यु हृदयघात की वजह से हुई हैं। गंगोत्री में 03, यमुनोत्री में 12, बदरीनाथ में 14 और केदारनाथ में 23 श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई है। श्रद्धालुओं की नियमित स्क्रीनिंग की जा रही है। चिकित्सकों द्वारा चिकित्सा उपचार और देखभाल के बाद कई श्रद्धालुओं को यात्रा न करने की सलाह दी जा रही है। उसके बाद भी कोई श्रद्धालु यात्रा पर जा रहा है, तो उनसे लिखित में फार्म भरवाने की कार्यवाही की जा रही है। गढ़वाल आयुक्त ने कहा कि उत्तराखण्ड की आर्थिकी में तीर्थाटन और पर्यटन का महत्वपूर्ण योगदान है। प्रदेश की आर्थिकी को बढ़ाने में चारधाम यात्रा का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। गढ़वाल आयुक्त ने जानकारी दी कि श्री केदारनाथ जाते समय एक हेलीकॉप्टर के हाइड्रोलिक सिस्टम में कोई टेक्निकल समस्या आयी थी, पायलट के सूझबूझ से उसकी सॉफ्ट लेंडिंग हुई। उसमें तलिनाडु के 06 यात्री थे सभी सुरक्षित हैं। इस पूरे प्रकरण पर युकाडा की ओर से अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। युकाडा ने इस पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट डीजीसीए को कर दी है।

यात्रियों की संख्या पर नियंत्रण के बिना...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

बात का पूर्व अनुमान नहीं था कि यात्रा में कितनी भीड़ आने वाली है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन खुलते ही यह साफ हो गया था कि इस साल पिछले साल से कहीं अधिक यात्रियों का आना तय है। लेकिन चुनावी व्यवस्था या अन्य जो भी कारण रहे हो यात्रा के लिए अनुकूल व्यवस्था समय से नहीं हो पाई तथा भीड़ को नियंत्रित करने का कोई मेकैनिज्म सरकार के स्तर पर तैयार नहीं किया गया। जब तक भीड़ को नियंत्रित करने और प्रतिदिन हर धाम में कितने यात्रियों को भेजा जा सकता है इसकी पुख्ता व्यवस्था नहीं होगी तब तक यात्रा व्यवस्था को दुरुस्त नहीं किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से चारधाम यात्रा की समीक्षा की

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से चार धाम यात्रा की समीक्षा चारधाम यात्रा की निरंतर मॉनिटरिंग हेतु एसीएस आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में कमेटी गठन के निर्देश दिये।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड सदन, नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से चारधाम यात्रा की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय से चार धाम यात्रा के सुगम संचालन हेतु अपनी जिम्मेदारियों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने सीधे कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा की निरंतर मॉनिटरिंग हेतु एसीएस आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में कमेटी गठन के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि यात्रा मार्गो पर शासन के उच्च अधिकारी एवं पुलिस के आईजी स्तर के

अधिकारी यात्रा के बेहतर संचालन के लिए निरन्तर फील्ड में रहें। उन्होने कहा यदि श्रद्धालु बिना रजिस्ट्रेशन के धामों में पहुंचते हैं तो इसके लिए अब संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदिरो में सभी श्रद्धालुओं को दर्शन हेतु एक समान समय मिले। इसके साथ ही रजिस्ट्रेशन एवं दर्शन व्यवस्था में वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने ऋषिकेश, हरिद्वार एवं अन्य ठहराव वाले स्थानों से केदारनाथ, बद्रीनाथ हेतु जा रही गाड़ियों को अलग -अलग समय में छोड़े जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा आवश्यकता हो तो बीकेटीसी से समन्वय कर मंदिरों में दर्शन का समय अवधि भी बढ़ाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा में आगामी मानसून सीजन को लेकर भी सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण की जाए।

❑निरंतर मॉनिटरिंग हेतु आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में कमेटी गठन के निर्देश

बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, सचिव शैलेश बगौली, दिलीप जावलकर, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पाण्डेय, एडीजी अमित सिन्हा, ए.पी अंशुमान, आईजी के.एस नगन्याल, अपर सचिव पर्यटन युगल किशोर पंत, विभिन्न जिलों के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भालू की दुर्लभ पित्त के साथ दो वन्य जीव तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। वन्य जीव अंगों की तस्करी मामले में बड़ी कार्यवाही करते हुए पुलिस व एसटीएफ कुंमाऊ रेंज द्वारा दो वन्य जीव तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से 460 ग्राम भालू की पित्त की बरामदगी हुई है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना थराली पुलिस व एसटीएम कुमांऊ रेंज को सूचना मिली कि थराली क्षेत्रांर्तगत कुछ वन्य जीव तस्कर भालू की दुर्लभ पित्त की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस व एसटीएफ कुमांऊ रेंज द्वारा क्षेत्र में संयुक्त चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान संयुक्त टीम को हॉस्पिटल तिराहा देवाल के पास दो संदिग्ध व्यक्ति आते हुए दिखाई दिये। टीम ने जब उन्हे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 460 ग्राम भालू की पित्त बरामद हुई। पूछताछ में उन्होने अपना नाम बलवंत सिंह बिष्ट पुत्र हिम्मत सिंह निवासी ग्राम वाण थाना थराली व मेहरबान सिंह बिष्ट पुत्र चन्द्र सिंह निवासी कुलिंग थाना थराली बताया। आरोपियों के खिलाफ थाना थराली में सम्बन्धित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है। बरामद भालू की पित्त की अनुमानित कीमत 30 लाख रूपये बतायी जा रही है।

ब्राह्मण जन सेवा समिति ने पर्यावरण की रक्षा के लिए वृक्षों पर रक्षासूत्र बांधे

संवाददाता

देहरादून। अखिल भारतीय देवभूमि ब्राहमण जन सेवा समिति ने पर्यावरण की रक्षा के लिए पेडों/वृक्षों पर रक्षासूत्र बांध सरकार को पर्यावरण की रक्षा हेतु चेताया।

आज यहां अखिल भारतीय देवभूमि ब्राह्मण जन सेवा समिति द्वारा देहरादून मे पर्यावरण की रक्षा हेतु पेड़ो/वृक्षों पर रक्षासूत्र बाँध सरकार को पर्यावरण की रक्षा हेतु चेताया। विकास के नाम पर देहरादून को लगातार विनाश की तरफ धकेलते कार्य की कड़ी मे पुनः हजारो पेड़ो की बलि खलंगा वन क्षेत्र तपोवान मे देने के विरोध मे समिति द्वारा पेड़ो /वृक्षों पर रक्षा सूत्र बाँध पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लिया गया। ब्राह्मण समाज सदैव सर्वत्र कल्याण की कामना करता आया है मानव के साथ साथ पेड़, पौधे, पक्षी, वनस्पति, जल, वायु, गृह, नक्षत्र, जीवो, अग्नि आदि की रक्षा हेतु समाज को जागृत करता आया है। सब की शांति ओर कल्याण के लिए शांति पाठ प्रदान कर जन जागरण का कार्य किया। भारतीय सभ्यता संस्कृति मे साल भर के व्रत ओर त्यौहार भी इस क्रम मे है जिससे की मौसम के अनुसार प्रकृति

के हर कण की रक्षा की जाये। देवभूमि उत्तराखंड जो अपने शांत ओर स्वच्छ वायु के वातावरण के लिए विख्यात रही उसको विकास की दौड़ के नाम पर विनाश की ओर लगातार धकेला जा रहा है। कुछ समय पहले सहस्त्रधारा रोड पर हजारो पेड़ो की बलि सड़क के विस्तार मे दीं गई। डाट काली मंदिर के पास हजारो पेड़ काट प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया गया जिसका परिणाम देहरादून नगर का आग उगलता वातावरण चीख चीख कर कह रहा है विनाश का खेल बंद करो। 42 डिग्री तापमान की देहरादून मे कल्पना भी नहीं थी परन्तु अब लगता है की यदि विकास के नाम पर विनाश का खेल यूँही चलता रहा तो देहरादून का तापमान 50 डिग्री तक भी चला जायेगा। एक तरफ सरकार खलंगा क्षेत्र मे वाटर ट्रीटमेंट योजना को स्थगित करने का संदेश दे रही है दुसरी तरफ इनके विभाग पेड़ो को चिन्हित कर उन पर निशान लगा रहे है इस दोहरे रूप के कारण पर्यावरण पर विनाश की तलवार लटकी हुई है। खलंगा मे वाटर ट्रीटमेंट प्लांट जैसी विनाशकारी योजना सिर्फ स्थगित नहीं निरस्त होने तक जनजागान चलता रहेगा। आज के जनजागरण कार्यक्रम मे समिति के संरक्षक लालचंद शर्मा, श्रीमती आभार बड़थवाल, समिति के केन्द्रीय अध्यक्ष अरुण कुमार शर्मा, सचिव रूचि शर्मा, उत्तराखंड प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष एडवोकेट राजगीता शर्मा,महासचिव डॉ अजय वशिष्ठ, भारती जोशी, वासु वाशिष्ठ,वसुधा वशिष्ठ, रविन्द्र आनंद, पंकज सैनी, अभय उनियाल, पूजा चमोली आदि सम्मलित रहे।

एक नजर

तेज रफ्तार ट्रक पलटने से 3 मजदूरों की मौत, 7 घायल

सूरत । गुजरात के सूरत में एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई। घटना को लेकर पुलिस ने बताया कि शुक्रवार तड़के गुजरात के सूरत जिले में सब्जियों से लदा एक ट्रक पलट गया, जिससे तीन मजदूरों की जान चली गई और सात घायल हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर बारडोली के किकवाड गांव के पास हुई। बारडोली पुलिस इंस्पेक्टर डी आर वसावा ने बताया कि सब्जियां लेकर ट्रक पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के नासिक जिले से सूरत शहर की ओर जा रहा था। इंस्पेक्टर वसावा ने कहा, श्ट्रक चालक, सुरेश पवार तेज गति से गाड़ी चला रहा था क्योंकि वो ट्रक में मौजूद सब्जियों की अच्छी कीमत पाने के लिए सुबह होने से पहले सूरत पहुंचना चाहता था। इसी दौरान ट्रक से उनका नियंत्रण खो गया और किकवाड के पास पलट गया। जिस वक्त यह हादसा हुआ ट्रक में दस मजदूर सवार थे। तीन की मौके पर ही मौत हो गई, और सात घायल हो गए।श उन्होंने बताया कि मृतक पिंटू पवार (40), भावसा माली (40) और सोनू पाटिल (35) नासिक जिले के सताना तालुका के निवासी थे। अधिकारी ने कहा, चालक के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज किया गया है। ट्रक ड्राइवर को भी इस घटना में ममूली चोट आई है जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ठाणेः केमिकल फैक्ट्री ब्लास्ट में मरने वालों की संख्या 9 हुई

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे की एक केमिकल फैक्ट्री में गुरुवार को जोरदार धमाके में मरने वालों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। इस हादसे में 64 लोग घायल बताए जा रहे हैं। फैक्ट्री के मालिकों के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। ठाणे के डोंबिवली में महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम एरिया के फेज-2 में स्थित अमुदान केमिकल्स फैक्ट्री में गुरुवार दोपहर को एक बॉयलर फट गया था। ये धमका इतना जबरदस्त था कि इसका असर केमिकल फैक्ट्री के आसपास की कई फैक्ट्रियों पर पड़ा। बॉयलर में विस्फोट की आवाज लगभग पांच किलोमीटर के क्षेत्र में सुनाई दी, जबकि इसका असर तकरीबन दो किलोमीटर के दायरे में देखने को मिला। जहां कई फैक्ट्रियों, दुकानों और घरों के शीशे टूट हो गए। इस घटना में स्थानीय लोग भी घायल हुए हैं। मामले में फैक्ट्री मालिकों मालती प्रदीप मेहता और मलय प्रदीप मेहता के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया गया है। कल्याण के तहसीलदार सचिन शेजल ने कहा कि मृतकों का आंकड़ा और बढ़ सकता है। क्योंकि उन्हें लगता है कि फैक्ट्री परिसर में अभी और भी शव हो सकते हैं। मलबे को हटाया जा रहा है।

सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर-बीजापुर अंतर-जिला सीमा पर एक जंगल में सुरक्षाकर्मियों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को ढेर कर दिया। शुक्रवार की सुबह यह एनकाउंटर हुआ। इसको लेकर पुलिस ने कहा कि जंगल में सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ सुबह उस वक्त हुई जब स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की एक टीम नक्सल विरोधी अभियान के बाद लौट रही थी। एसटीएफ के जवान सुरक्षा बलों के उस संयुक्त दस्ते का हिस्सा थे, जिसने गुरुवार को बीजापुर-नारायणपुर सीमा पर पल्लेवाया-हंदावाड़ा इलाके में मुठभेड़ में सात नक्सलियों को मार गिराया था। उन्होंने बताया कि गुरुवार की मुठभेड़ के बाद सुरक्षाकर्मी अपने बेस पर लौट रहे थे, तभी नक्सलियों ने एसटीएफ की गश्ती टीम पर गोलीबारी की। इसके बाद सुरक्षाबलों ने भी मोर्चा संभाला और दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। इसी दौरान एक नक्सली मारा गया। अधिकारी ने बताया कि गोलीबारी रुकने के बाद मौके से श्वर्दीश पहने एक नक्सली का शव बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि 21 मई को शुरू किए गए इस ऑपरेशन में कुल मिलाकर 8 नक्सली मारे गए हैं। ताजा एनकाउंटर के साथ, राज्य में सुरक्षा बलों के साथ अलग-अलग मुठभेड़ों में इस साल अब तक 113 नक्सली मारे जा चुके हैं।

गौवंश हत्यारों की पुलिस से मुठभेड़, दो घायल

हमारे संवाददाता

देहरादून। चैकिंग के दौरान गौवंश हत्यारों की पुलिस से मुठभेड़ हो गयी। जिसमें पैर में गोली लगने से दो बदमाश घायल हुए है। जबकि एक को गिरफ्तार किया गया है। घायल बदमाशों का उपचार जारी है। जिनके पास से पुलिस ने दो तमंचे मय कारतूस, चापड़ व चाकू बरामद किये है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह थाना प्रेमनगर पुलिस को सूचना मिली कि मीठी भेरी टी स्टेट के समीप कुछ हथियार बंद बदमाश विक्रम में सवार होकर कहीं जा रहे है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल चैकिंग अभियान चला दिया। चैकिंग के दौरान उक्त विक्रम टैंपो आने पर जब उसे रोका गया तो उसमें सवार दो लोगों ने पुलिस पर फायरिंग झोंक दी। इस पर की गयी जवाबी कार्यवाही में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी जिन्हे पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही पुलिस द्वारा विक्रम चालक को भी गिरफ्तार किया गया है। घायल बदमाशों को पुलिस उपचार हेतु चिकित्सालय लाई जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार इन्ही बदमाशों द्वारा 21/22 मई की रात को मीठी भेरी टी स्टेट में गौकशी की घटना को अंजाम दिया गया था जो आज भी गौकशी के इरादे से यहां आये थे। बदमाशों के कब्जे से दो तमंचे मय खोखा कारतूस, एक चापड़ व एक चाकू बरामद किया गया है। घायल हुए बदमाशों के नाम सुल्तान पुत्र अनीस निवासी मोहल्ला पठानपुर बिजनौर, मोहम्मद फैसल पुत्र मो. असलम निवासी नजीबाबाद बिजनौर व विक्रम चालक असलम पुत्र जहीर निवासी नहटोर बिजनौर बताये जा रहे है।

❑दो तमंचे मय कारतूस, चापड़ व चाकू बरामद

केदारनाथ धामः पायलट की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

हमारे संवाददाता

देहरादून। क्रिस्टल एविएशन कंपनी के हेली ने आज सुबह लगभग 7 बजे शेरसी से श्रद्धालुओं को केदारनाथ दर्शन कराने के लिए उड़ान भरी तथा हेली में तकनीकी खराबी आने के कारण पायलट की सूझबूझ से हेली को केदारनाथ हेलीपैड से कुछ दूरी पहले ही आपात स्थिति में लैंडिंग कराई गई जिसमें सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं।

जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने जानकारी देते हुए कहा कि जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी द्वारा दी गई सूचना के अनुसार क्रिस्टल एविएशन कंपनी का हेली जिसने तीर्थ यात्रियों को लेकर शेरसी से केदारनाथ के लिए उड़ान भरी जिसमें तकनीकी खराबी आने के कारण हेली को आपदा स्थिति में केदारनाथ हेलीपैड से पहले ही लैंडिंग कराई गई जिसमें पायलट की सूझबूझ के कारण बड़ा हादसा होने से टला।

पायलट ने अपना धैर्य नहीं खोया एवं सूझबूझ का परिचय देते हुए आपात स्थिति में हेली की लैंडिंग की गई जिसमें सभी तीर्थ यात्री सुरक्षित हैं तथा सभी यात्रियों को बाबा केदारनाथ दर्शनों के लिए भेजा गया है। उन्होंने यह भी अवगत कराया है कि हेली में आई तकनीकी खराबी की जांच कराई जा रही है।

❑तकनीकी खराबी के कारण आपात स्थिति में लैंडिंग कराना पड़ा हेलीकाप्टर

आखिरकार पिंजरे में कैद हुआ नरभक्षी गुलदार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। श्रीनगर में विगत तीन-चार दिनों से एक नरभक्षी गुलदार द्वारा छोटे बच्चों को निवाला बनाया जा रहा था, जिसको देखते हुए वन विभाग हरकत में आया और उन्होंने शीघ्र ही श्रीनगर के अलग-अलग जगहों पर पिंजरे लगाए, जिसमें आज एक गुलदार जो बच्चों को निवाला बन रहा था आखिरकार श्रीनगर ग्लास हाउस वाली रोड के पिंजरे में कैद हो गया है।

बता दें कि कुछ दिन पहले सूरज नाम के लड़के तथा श्रीकोट में 4 वर्षीय अधीरा नाम की बालिका जो आंगन में खेल रही थी, गुलदार ने अपना निवाला बना दिया था। गुलदार द्वारा किये जा रहे लगातार हमलों के मामलों में लोगों का गुस्सा बढ़ता देख वन विभाग शीघ्र हरकत में आ गया और अलग-अलग जगहों पर वन विभाग की टीम ने पिंजरे लगाये, जिनमें से एक पिंजरे में आज सुबह ही एक गुलदार पिंजरे में कैद हो गया।

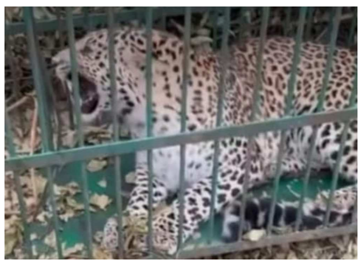

गढ़वाल रिजर्व फॉरेस्ट के प्रभागीय वनाअधिकारी (डीएफओ) स्वप्निल अनिरुद्ध का कहना है कि उक्त गुलदार को शीघ्र नागदेव रेंज पौड़ी ले जाया जाएगा, उसके बाद मेडिकल के लिए भेज दिया जाएगा। डीएफओ गढ़वाल रिजर्व फॉरेस्ट पौड़ी का कहना है कि इस बार जंगलों में दावानल अधिक होने से जंगली जानवर शहर की तरफ आ रहे हैं, जिससे सभी जनमानस अपनी सुरक्षा स्वयं करें एवं अपने छोटे बच्चों को अधिक देर तक बाहर न छोड़ें। वही नागदेव रेंज के वनाक्षेत्राधिकारी ललित मोहन नेगी का कहना है कि श्रीनगर से लगे शहर श्रीकोट डांग आदि जगहों पर अभी भी पिंजरे लगे रहेंगे और वन विभाग की टीम पूरी गस्त में रहेगी, क्योंकि अभी भी गुलदार की चहलकदमी हो सकती है।

लिफ्ट मांगने के बहाने मोबाइल व रुपये किये चोरी

संवाददाता

देहरादून। लिफ्ट मांगकर मोबाइल व रूपये चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बडकोट उत्तरकाशी निवासी अनुभव बिष्ट ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह यहां पर एकता विहार में रहकर बी फार्मा की पढायी कर रहा है। गत दिवस रात्रि में वह अपने भाई आदर्श के रूम कोचिंग की तैयारी कर वापस अपने कमरे में आ रहा था। चूना भटटा के पास दो लडकों ने उससे उसकी स्कूटी में लिफ्ट मांगी उसने उनको लिफ्ट दे दी।

उनके जाने के बाद उसने देखा कि उसका मोबाइल फोन व जेब से साढे चार सौ रूपये गायब थे। उक्त युवकों ने उसका मोबाइल व पैसे चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।